राजस्थान में हीटवेव का प्रकोप

चर्चा में क्यों?

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (Indian Meteorological Department- **IMD**) के मुताबिक, **पश्चिम राजस्थान** और केरल में [हीटवेव]() का अलर्ट जारी किया गया है।

मुख्य बिंदु:

- **बंगाल की खाड़ी** से देश में **तीव्र आर्द्रता का प्रवाह** बढ़ रहा है, जिसके कारण आकाशीय बिजली के साथ-साथ **तड़ित झंझा** की गतिविधि भी बढ़ रही है।
- IMD के अनुसार, यदि अधिकतम तापमान **मैदानी इलाकों** में कम-से-कम **40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक** और **पहाड़ी क्षेत्रों में कम-से-कम 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक** तक पहुँच जाता है, तो क्षेत्र हीटवेव से प्रभावित होता है।
- संक्षेप में, **हीटवेव एक ऐसी स्थिति** है जहाँ हवा का तापमान उच्च होने पर यह **मानव स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा** उत्पन्न करता है।

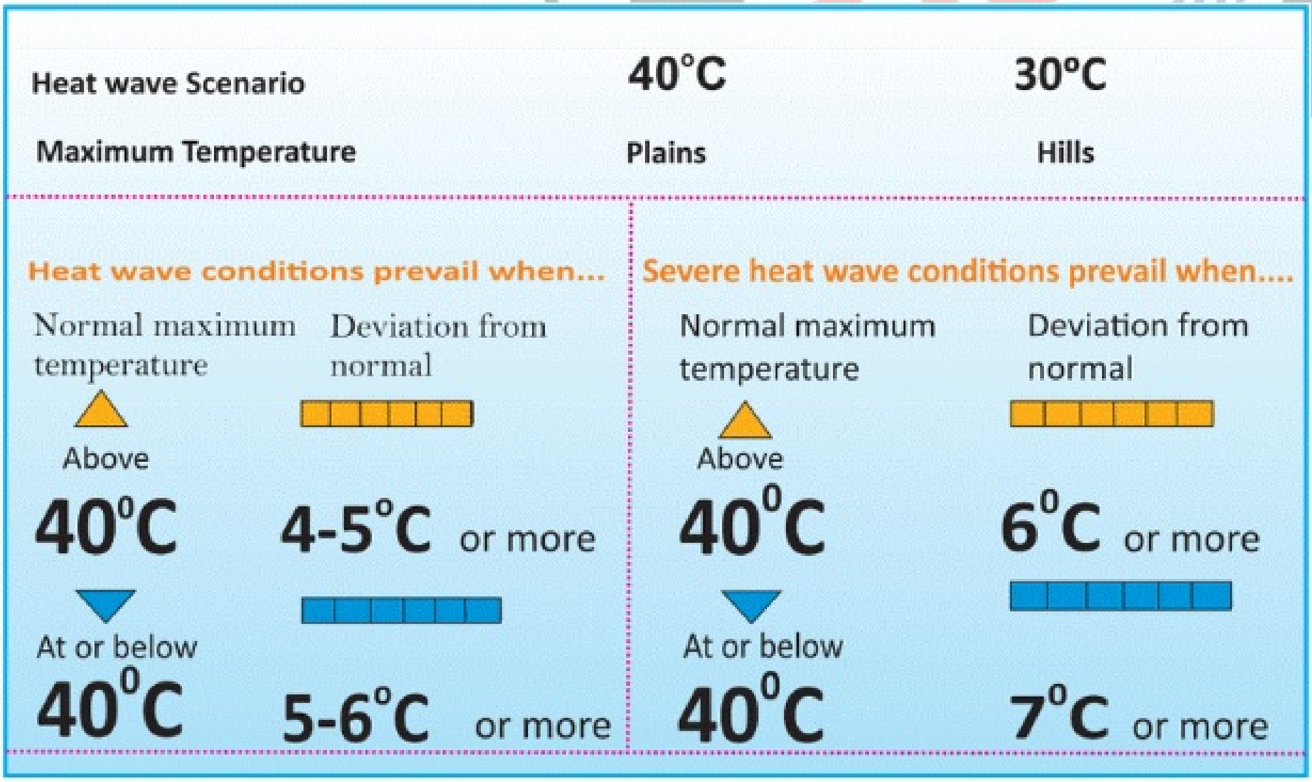

[//]()

हीटवेव के कारण

- **ग्लोबल वार्मिंग:**
  - भारत में हीटवेव के **प्राथमिक कारणों में से एक ग्लोबल वार्मिंग** है, जो **जीवाश्म ईंधन के दहन, निर्वनीकरण** और **औद्योगिक गतिविधियों** जैसी **मानवीय गतिविधियों के कारण पृथ्वी के औसत तापमान में दीर्घकालिक वृद्धि** को संदर्भित करता है।
  - ग्लोबल वार्मिंग के परिणामस्वरूप उच्च तापमान और मौसम के पैटर्न में बदलाव हो सकता है, जिससे हीटवेव चल सकती है।
- **शहरीकरण:**

- तेज़ी से शहरीकरण और **शहरों में कंक्रीट के वनों** का विकास "**नगरीय ऊष्मा द्वीप प्रभाव**" के रूप में जानी जाने वाली घटना को उत्पन्न कर सकता है।
- **उच्च जनसंख्या घनत्व वाले शहरी क्षेत्र, इमारतें** और **कंक्रीट की सतहें** विशेषकर हीटवेव के दौरान **अधिक ऊष्मा को अवशोषित करती हैं** तथा इसे बरकरार रखती हैं, जिससे तापमान उच्च होता है।

- **प्री-मॉनसून सीज़न में अपर्याप्त बारिश:**
  - कई क्षेत्रों में नमी कम होने से भारत का एक बड़ा हिस्सा शुष्क और बंजर हो गया है।
  - भारत में एक असामान्य प्रवृत्ति, **मानसून-पूर्व वर्षा ऋतु के आकस्मिक समाप्त** होने से हीटवेव में वृद्धि हुई है।
- **अल नीनो प्रभाव:**
  - अल नीनो प्रायः **एशिया में तापमान बढ़ाता है,** जो मौसम के पैटर्न के साथ मिलकर रिकॉर्ड उच्च तापमान बनाता है।
  - दक्षिण अमेरिका से आने वाली व्यापारिक पवन आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पश्चिम में एशिया की ओर चलती हैं लेकिन **प्रशांत महासागर के गर्म होने से ये हवाएँ दुर्बल हो जाती हैं।**
    - इसलिये आर्द्रता और ऊष्मा की मात्रा सीमित हो जाती है तथा परिणामस्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में वर्षा में कमी एवं असमान वितरण होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/heatwave-in-rajasthan